भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना में हिन्दी पखवाड़ा - 2022 का शुभारंभ

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना में दिनांक 14.09.2022 को हिंदी दिवस के आयोजन के साथ हिन्दी पखवाड़ा-2022 समारोह का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान के निदेशक डॉ. आशुतोष उपाध्याय ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया | उन्होंने बताया कि 14 सितंबर को हर वर्ष देशभर में हिंदी दिवस मनाया जाता है । हिंदी मात्र एक भाषा नहीं बल्कि एक ऐसा माध्यम है, जो भारत के कोने-कोने में बैठे लोगों को एक दूसरे से जोड़ने का काम करती है । आजादी मिलने के बाद देश के सामने भाषा को लेकर बड़ी समस्याएं थी, क्योंकि करोड़ों भारतीयों द्वारा हजारों भाषाएं बोली जाती थीं। ऐसे में संविधान सभा में एकमत के साथ 14 सितंबर 1949 को हिंदी को राजभाषा का दर्जा दिया गया। वहीं 14 सितंबर 1953 में राष्ट्रभाषा प्रचार समिति की सिफारिश के बाद प्रत्येक वर्ष 14 सितंबर को हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाने लगा |संस्थान के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हिंदी दिवस के सुअवसर पर बधाई देते हुए डॉ. उपाध्याय ने बताया कि बिहार राज्य में अवस्थित हमारा संस्थान 'क' क्षेत्र में आता है | यह हमलोगों की अनन्य जिम्मेदारी है कि हम अपने सभी कार्यालयीन कार्य 100% हिंदी में ही करें , ताकि राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दिए गए लक्ष्य को पूरा कर सकें | उन्होंने सभी वैज्ञानिकों को सरल हिंदी का प्रयोग करते हुए कृषि से संबंधित तकनीकों को संकलित एवं प्रकाशित करने के लिए भी प्रोत्साहित किया|

डॉ. अनिल कुमार सिंह, उपाध्यक्ष, संस्थान राजभाषा कार्यान्वयन समिति ने संस्थान के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हिंदी दिवस के सुअवसर पर बधाई देते हुए राजभाषा के महत्त्व पर चर्चा की| उन्होंने हिंदी पखवाड़ा के दौरान संस्थान में आयोजित होने वाली विभिन्न प्रतियोगिताओं, यथा हिंदी निबंध प्रतियोगिता, उत्साहवर्धक चलचित्र, स्वरचित काव्य-पाठ प्रतियोगिता, व्याकरण एवं यूनिकोड टंकण प्रतियोगिता, प्रश्नमंच प्रतियोगिता, अंताक्षरी प्रतियोगिता, वाद-विवाद प्रतियोगिता एवं हिंदी कार्यशाला के बारे बताया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने इस बात का भी जिक्र किया कि संस्थान के सभी वैज्ञानिकों को यह कोशिश करनी चाहिए कि वे जो भी प्रकाशन का कार्य करे, वे यथासंभव हिंदी में हो, ताकि हमारे देश के किसानों को इनका लाभ मिल सके|

कार्यक्रम के दौरान डॉ. उज्ज्वल कुमार, प्रभागाध्यक्ष, सामाजिक-आर्थिक एवं प्रसार; डॉ. ए. के. चौधरी, प्रभागाध्यक्ष, फसल अनुसंधान; डॉ. अभय कुमार, प्रधान वैज्ञानिक; डॉ. नरेश चन्द्र, प्रधान वैज्ञानिक; डॉ. शंकर दयाल, प्रधान वैज्ञानिक एवं श्री रजत कुमार, वित्त एवं लेखाधिकारी ने राजभाषा हिंदी पर अपने विचार व्यक्त किए|

श्रीमती प्रभा कुमारी, सहायक प्रशासनिक अधिकारी ने मंच का संचालन किया एवं श्री पुष्पनायक , सदस्य सचिव, संस्थान राजभाषा कार्यान्वयन समिति ने धन्यवाद ज्ञापन किया|